पारदर्शिता एवं जवाबदेही लाने हेतु

अपना केस जानें एवं शिकायत निपटान शिविर

प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार

सभी पुलिस स्टेशनों/यूनिटों, ट्रैफिक पुलिस लाइनों एवं साइबर क्राइम सेल में भी चंडीगढ़ पुलिस द्वारा पहल

आम जनता/शिकायतकर्ता अपनी शिकायतों के निपटान हेतु एवं अपने केस, शिकायत एवं ट्रैफिक चालान के स्तर को जानने हेतु 2.6.2018 को पूर्वा. 10.00 बजे से अप. 2.00 बजे तक अपने संबंधित पुलिस स्टेशन/यूनिट में आने के लिए आमंत्रित हैं।

इसके पीछे मुख्य उद्देश्य है थोड़े समय में प्रभावी रूप में अधिकतम शिकायतों/दुखड़ों को निपटाया/दूर किया जा सके।

CHANDIGARH POLICE

We care for you

चंडीगढ़ पुलिस को निम्न पर सूचित करें :-

पुलिस कंट्रोल रूम : 100
http://chandigarhpolice.gov.in
ईमेल : police-chd@nic.in
0172-2749194, 0172-2746444

Amar Ujala Dt: 01/06/2018

पति, सास और ससुर को 7 साल कैद

चंडीगढ़, 31 मई (संदीप कुमार): विवाहिता को आत्महत्या करने के

लिए मजबूर करने के मामले में अदालत ने राजदरबार के रहने वाले पति रजत, सास अनारकली और ससुर मोहन लाल को 7-7 साल कैद की सजा सुनाई है। साक्ष्यों के अभाव में ननद गीता को बरी कर दिया। सैक्टर-31 थाना पुलिस ने पिछले साल मृतका नीलम की मां सरोज की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

Punajb kesri Dt: 01/06/2018

चपरासी की नौकरी के लिए पंजाब राज भवन का जाली अपॉइंटमैंट भेजा, केस दर्ज

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, अभी तक नहीं लगा कोई क्लू

चंडीगढ़, 31 मई (लूना): चपसासी की पोस्ट के लिए गर्वनर के सैक्रेटरी के नाम पर किसी ने जाली अपॉइंटमैंट लैटर बना दिया। अपॉइंटमैंट लैटर लेकर जब 2 व्यक्ति पंजाब राज भवन में गए तो पता चला कि ये अपॉइंटमैंट लैटर ही फर्जी है। मामले का पता चलने के बाद पंजाब राज भवन के डिप्टी सैक्रेटरी राकेश भंडारी ने इस बारे में पुलिस को शिकायत दी। शिकायत मिलने के बाद सैक्टर-3 पुलिस स्टेशन में अज्ञात के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 470, 474, 120बी, 511 के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक कुछ समय पहले पंजाब राज भवन में माली, चपरासी की कुछ पोस्टें निकली थी। जिसके लिए कई आवेदन भी आए थे और इसके बाद इन पोस्टों पर नौकरी भी दे दी गई थी। इसके कुछ दिन बाद हरियाणा के भिवानी से एक व्यक्ति पंजाब राज भवन आया। उसके पास एक लैटर था, जो कि गर्वनर के सैक्रेटरी की तरफ से था। यह लैटर चपरासी की नौकरी के लिए अपॉइंटमैट के लिए था। लेटर जब अधिकारियों के पास पहुंचा तो फिर इसकी जांच की गई, जिसमें पाया गया कि ये लैटर तो पंजाब राज भवन से भेजा ही नहीं गया। सूत्रों का कहना है कि इस तरह का एक और व्यक्ति भी पंजाब राज भवन में आया था और उसके पास भी अपॉइंटमैंट लैटर था। पहले वाले व्यक्ति की तरह ये लैटर भी फर्जी पाया गया। इस पर फिर डिप्टी सैक्रेटरी राकेश भंडारी ने शिकायत पुलिस को दी। वहीं पुलिस का कहना है कि ये लेटर उक्त व्यक्ति को पोस्ट के जरिए आया था। पुलिस अब पता लगाने में जुट गई है कि ये कारनामा किसने किया है। पुलिस का यह भी कहना है कि पता लगाने के बाद जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

Dainik Savera Dt: 01/06/2018

जोधा गैंग के मुखिया और उसके साथी के खिलाफ चालान पेश

स्कूटी चालक को बीच सड़क पर रोककर उससे लूटा था बैग

चंडीगढ़, 30 मई (मनोज) : शहर में लूट की वारदातों को अंजाम देकर पुलिस की नाक में दम करने वाले योध सिंह उर्फ जोधा (24) व उसके साथी अमरीक सिंह (34) के खिलाफ सैक्टर-36 थाना पुलिस ने लूट के एक मामले में चालान दायर कर दिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आई.पी.सी. की धारा-341, 356, 379, 34 व 411 के तहत चालान दायर किया गया है। अब उनके खिलाफ अदालत में लूट का मामला चलेगा।

दायर मामले के अनुसार 21 फरवरी 2018 को सैक्टर-41 के रहने वाले दीपांकर गुहा ने पुलिस को बताया था कि वह मैडीकल इक्विपमैंट का काम करता है। घटना वाले दिन वह करीब रात 1 बजे स्कूटी पर सैक्टर-17 की तरफ जा रहा था कि सैक्टर-35/36 के चौराहे के पास किसान भवन चौक की तरफ एक सफेद रंग की पी.बी. नंबर कार उसकी स्कूटी के आगे रूकी और उसमें बैठा युवक उसे रूकने का इशारा करने लगा, उन्हें देखकर वह रूक गया। कार में से 2 युवक निकले वह उसे अपने साथ में बैठकर चलने के लिए कहने लगे, जिन्हें देखकर वह डर गया। उसने आसपास देखा तो वहां पर कोई भी नहीं था। उसने शोर मचाना शुरू कर दिया और पीछे की तरफ भाग गया। दोनों लड़के उसकी स्कूटी को चैक करने लग गए और उसकी स्कूटी में पड़ा बैग उठाकर गाड़ी समेत मौके से भाग गए। उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामाल दर्ज कर लिया। इसके कुछ दिन बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने योध सिंह उर्फ जोधा (24) व उसके साथी अमरीक सिंह (34) को किसी अन्य केस में गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान लूट के शिकार हुए दीपांकर गुहा से करवाई गई। दीपांकर गुहा ने पुलिस को बताया कि आरोपी वही हैं जिन्होंने उसके साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूट गया बैग चंडीगढ़ से लगते गांव कांसल से आम के बाग में लगे टयूब्ल के पास बने कमरे से बरामद किया था, जिसमें से पुलिस को दीपांकर गुहा का आधार कार्ड मिला था। इसके बाद से आरोपी न्यायिक हिरासत में थे।

Dainik Savera Dt: 01/06/2018

Workshops to sensitise cops on HIV/AIDS begins

CHANDIGARH: State AIDS Control Society has launched an awareness drive to sensitise the police force on HIV/AIDS. The initiative was taken in collaboration with the police department. As a part of the drive, workshops will be held to sensitise the force. On Thursday, a workshop was organised at Police Hospital, Sector 26, Chandigarh. As many as 60 police personnel were sensitised.

HTC

Hindustan Times Dt: 01/06/2018

58 fined ₹1,000 each for modified silencers

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, MAY 31

As many as 58 people have been fined Rs 1,000 each by a local court for having modified silencers and creating noise pollution. This comes after the High Court's tough stance against such offenders and rap on the Traffic Police for not being able to control the menace. While 22 were fined on Tuesday, 27 were fined on Wednesday and nine were fined on Thursday.

As per the available data, till May 23, challans conducted for these offences this year is 2,320. However, several motorcycle owners, especially those having Royal Enfield make motorcycles, also complained of undue harassment by the police. They claim that the policemen stop them and accelerate the motorcycles to their full capacity and then say that it is making noise.

Some complain of undue harassment by traffic cops

Sandeep, a Panjab University student, said: "Though I have the original silencer, I am stopped and my motorcycle is checked". However, traffic cops say that they are just doing their job.

The Tribune Dt: 01/06/2018

Dowry death: Three get 7-yr jail

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, MAY 31

A local court on Thursday awarded seven-year imprisonment to three persons in a case of dowry death. The special court convicted the husband, along with the mother-in-law and father-in-law of the deceased, under Sections 304B and 34 of the IPC.

The convicts have been identified as Rajat, husband, Mohan Lal, father-in-law, and Anarkali, mother-in-law. However, sister-in-law Geeta was acquitted in the case.

The matter pertains to November 6, 2017 when the accused were booked by the police on the complaint of the mother of the deceased, Neelam. As per the complaint, the accused started harassing her daughter for dowry six months after the marriage. Anarkali demanded a gold chain while Geeta demanded a gold ring. Rajat demanded household articles and threatened the victim as well.

The Tribune Dt: 01/06/2018

Three city residents booked for fraud

Allegedly used to dupe people in the name of Microsoft Corporation

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, MAY 31

Three city residents running two companies have been booked for allegedly duping people in the name of Microsoft Corporation.

Complainant in the case Arvind Gopal of Microsoft Corporation Pvt Ltd, New Delhi, has alleged that Geeks Technical Solutions and Mark Software Systems, both having their registered offices at Sector 7, Chandigarh, and operational office at Sector 82, Mohali, and its officials namely Kunal Bansal, Mohit Bansal and Amanpreet Singh had been misrepresenting themselves of being associated with Microsoft and thereby deceiving the customers of Microsoft and general public by extorting money from them using false pretences of providing technical support services by claiming to be certified by or associated with Microsoft.

The complainant has alleged that the accused persons were found to be involved in the unlawful transmission of false pop-up messages to the innocent public across the globe stating that their computer systems were infected with viruses and it posed security risks. If not rectified immediately, the said computer system would be at the risk of getting seriously damaged or hacked, which may in turn lead to personal and financial details of such victims being compromised. The 'pop-up messages' claimed to be from a 'Microsoft business partner' or 'Microsoft authorised technical service provider.' This false representation deceives the victim. The victim is coerced into believing the said 'pop-up' message.

As a result of this, the victim gets lured into believing that the Microsoft has sent the message after which the victim is coerced into following the command prompts and follow the website links stated in such 'pop-up messages' and ends up sharing the contact details with the agents of the said fraudulent companies. Then the employees of the accused persons make telephone calls from their call centre and impersonate themselves as experts from the technical team of the Microsoft or associate of Microsoft, thus coerce the victim into paying for bogus services.

Acting on the complaint, the UT police have registered a case under various sections of the IPC and the IT Act against the three accused at the Sector 26 police station.

False pop-up messages

The complainant has alleged that the accused persons were found to be involved in the unlawful transmission of false pop-up messages to the innocent public across the globe stating that their computer systems were infected with viruses and it posed security risks. If not rectified immediately, the said computer system would be at the risk of getting seriously damaged or hacked, which may in turn lead to personal and financial details of such victims being compromised.

The Tribune Dt: 01/06/2018